विद्याज्योति

हिंदी कार्य -पत्रिका

2020-21 उत्तर-सूचिका

कक्षा 10

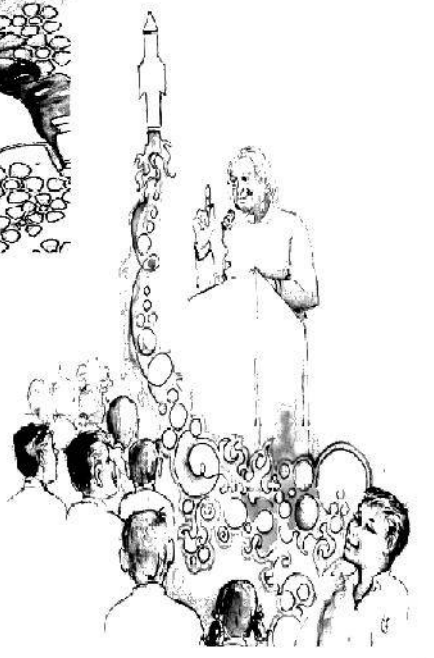

VIDYAJYOTHI

HINDI WORKSHEET 2020-21

STD 10

CLASS X HINDI UNIT 1

उत्तर सूचिका

1. बीरबहूटियों को खोजना था।
2. कलम में स्याही भरनी थी ।
3. वे + को = उन्हें
4. लाल
5.

दृश्यों का विवरण	संवाद
समय : सुबह । साढ़े नौ बजे। पात्रों का नाम : साहिल और बेला। उम्र: ग्यारह साल । वेशभूषा: स्कूल यूनिफॉर्म।पीठ पर बस्ते। बेला लाल रिबन से अपना बाल बाँध रखी है। दोनों भूरी ज़मीन पर बीरबहूटियों को खोजते हैं	बेला: हाँ हाँ साहिल।ये बीरबहूटियाँ तो अति सुंदर है। बेला:(मौन रहकर बीरबहूटियों को खोज रही है।) बेला: हाँ , सुना।पहली घंटी लग गई है। बेला:अच्छा।जल्दी चल।

6.

बैठ जाया करते थे।
ज़मीन पर बैठ जाया करते थे ।
भूरी ज़मीन पर बैठ जाया करते थे।
बारिश की गंध भरी भूमि ज़मीन पर बैठ जाया करते थे

7. स्याही कल मिल जाएगी।

8.

स्याही की बोतल	अभी - अभी खाली हो गई है ।
बादल को देखकर	घडे को नहीं ढुलाना चाहिए।

नई स्याही भरवाने के लिए	दोनों दुकान पर पहुँचे ।
पैन में पाँच पैसे में	नीली स्याही भरी जाती थी ।

9. नई चीजें मिलने की प्रतीक्षा में अपने पास की चीजों को नष्ट नहीं करना है।

10

बेला : भाई , एक पैन स्याही भर दो।
दुकानदार : बेटा , स्याही की बोतल अभी- अभी खाली हो गई है।
साहिल : बाप रे। क्या करूँ मैं ?
बेला : इसने पैन में बची हुई स्याही को ज़मीन पर छिड़क दिया।
दुकानदार : बादल को देखकर घडे को नहीं ढुलाना चाहिए।
साहिल : आज मैं कैसे लिखूँ ?
दुकानदार : बेटा, स्याही कल ही मिलेगी। कौन- सी कक्षा में पढ़ते हो ?
साहिल : पाँचवीं में।

11.

दुकान पहुँचे।
दोनों दुकान पहुँचे।
स्याही भरने के लिए दोनों दुकान पहुँचे।
पैन में स्याही भरंने के लिए दोनों दुकान पहुँचे।

12. बेला साहिल से नज़र नहीं मिला पाई।

13.

माटसाब चाहे मुझे पीट लेते	मगर साहिल के सामने नहीं।
जब बेला साहिल के पास आकर बैठी	उससे नज़र नहीं मिला पाई।
बेला साहिल के सामने	शर्मिंदा महसूस कर रही थी ।

वह जानती थी कि	वह साहिल की नजर में बहुत अच्छी है।

14. गाँव का स्कूल पाँचवीं तक ही था ।

15.

लड़का जा रहा था।	लड़की जा रही थी ।
साहिल जा रहा था।	बेला जा रही थी ।

16.

जा रहा था।
लड़का जा रहा था।
एक लड़का जा रहा था।

ग्यारह साल का एक लड़का जा रहा था।

17.

दिन - बुधवार	तारीख - 05/04/1982

आज का दिन बहुत ही बुरा था। पाँचवीं का रिजल्ट आ गया। मैं बेला के साथ स्कूल पहुँचा। हम दोनों छठी में आ गए। लेकिन यह स्कूल तो पाँचवीं तक ही था। बेला के पापाजी उसे राजकीय कन्या पाठशाला में पढ़ाएँगे। लेकिन मुझे अजमेर भेज देंगे। पिताजी क्यों मुझे इतने दूर भेज रहे हैं ? मुझे पता नहीं। बेला के बिना मैं कैसे स्कूल जाऊँ ? सोच भी नहीं सकता। यह फुलेरा छोड़कर क्या मैं जा पाऊँगा? कभी नहीं। रिपोर्ट कार्ड देखते वक्त हम दोनों उदास थे। बेला की आँखों में आँसू देखकर मेरी आँखें भी भर गईं । जहाँ भी जाए हमारी ये दोस्ती यों ही पक्की रहेगी।

स्थान,

18. तारीख।

प्रिय बेला,

तुम कैसी हो? खुश है न? मैं बहुत दुखी हूँ।

यहाँ होस्टल में ठहरना बहुत मुश्किल की बात है। सभी से अलग. . . . यहाँ अकेला। यादों में हमारे खुशी भरे वे दिन भी हैं । साथ खेलना ,बीरबहूटियाँ खोजना, स्कूल जाना सब। इधर भी मेरा एक दोस्त है, लेकिन . . . . । तुम्हारे यहाँ कैसे है?

माँ बाप को मेरा प्रणाम

19.

'जानना' का रूढ़िग्रस्त आधार	'जानना' का असली आधार
व्यक्ति का नाम	व्यक्ति की हताशा
व्यक्ति का पता	व्यक्ति की निराशा
व्यक्ति का उम्र	व्यक्ति की असहायता
व्यक्ति का ओहदा	व्यक्ति का संकट
व्यक्ति की जाति	व्यक्ति की संवेदना

20.

(अ) आपने ही मेरी जान बचाई थी।

(आ) अब आप कैसे हैं।

(इ) मैं आपका बहुत आभारी हूँ।

21.

चेन्नई,

20 मार्च *2020*

प्रिय मित्र,

बहुत दिनों के बाद लिख रहा हूँ ।तुम कैसे हो? मैं यहाँ कुशल से हूँ ।कल ऐसी घटना घटी, जो मैं जीवन में कभी नहीं भूल सकता ।मै हताशा से सडक के किनारे बैठा था ।मेरे पास एक व्यक्ति आया ।वह मेरा परिचित नहीं था। उसने मेरी ओर हाथ बढ़ाया। मै उसका हाथ पकड़कर खडा हुआ। मुझे पता चला कि उस व्यक्ति में मानवीय संवेदना जरूर थी।

घर में सब खुश हैं न ? सबको मेरा प्यार।

तुम्हारा मित्र,
हस्ताक्षर

नाम

सेवा में
नाम
पता

कवि व्यक्ति को जानता था ।	x
व्यक्ति कवि को जानता था।	x
कवि व्यक्ति की हताशा को जानता था।	√
कवि और व्यक्ति परस्पर जानते थे।	x
कवि और व्यक्ति साथ चलने को जानते थे।	√

23. **जानने का असली आधार**
-व्यक्ति की निराशा ,हताशा ,असहायता या संकट से जानना ।

कवि का नाम
. विनोदकुमार शुक्ल

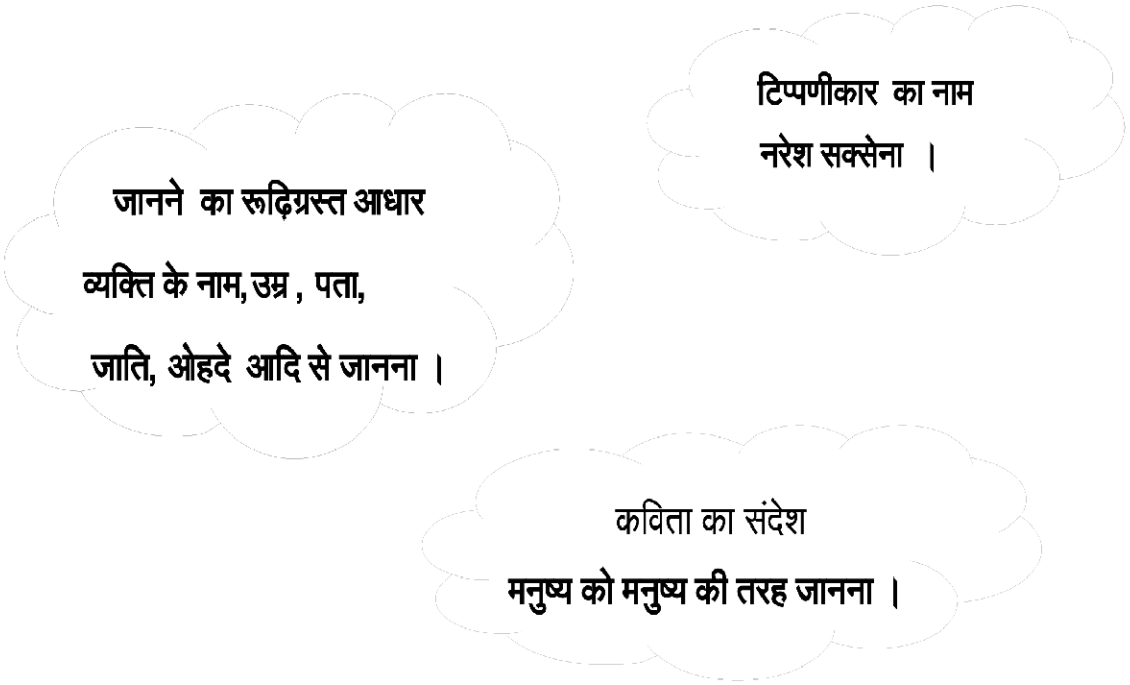

24. **दुस्साहसी , अकेली , सामूहिक, बडे-बडे**

25.

• टूटा पहिया • चक्रव्यूह • अक्षौहिणी सेना	• लघुमानव • समस्याएँ • महाशक्ति
• अभिमन्यु	• अधर्म का विरोधी

(ख) दुरूह

(ग) चुनौती

उत्तर- सूचिका (8)

कक्षा 10

I

गद्यांश पढ़ें

यह मुझे बहुत बाद में समझ आया कि जिस स्कूल में बिताए समय को मैं अपने बचपन का सबसे खराब समय समझा करता था, शायद वही मोरपाल के लिए उसके जीवन का सबसे अच्छा समय होता था। घर की कमरतोड़ मेहनत और खेत-मजूरी से इतर दिन का ऐसा एकमात्र समय जब वह बच्चा बना रह सकता था। मेरे लिए स्कूल यूनीफ़ॉर्म बोझ थी। मेरे पास उससे बेहतर कपड़े थे जिन्हें मैंने अपनी पसंद से बड़े शहरों के बड़े बाज़ारों से ख़रीदा था। लेकिन मोरपाल के पास एकमात्र कमीज़-पैंट का नया जोड़ा वह नीली-खाकी स्कूल यूनीफ़ॉर्म ही थी। स्वाभाविक था कि वह उसे ही शादी में पहनकर आता।

अब लिखें , प्रत्येक वाक्य किसके लिए सही है ?

घर की कमरतोड़ मेहनत और खेत-मजूरी से पीड़ित	→	मोरपाल
बड़े शहरों के बड़े बाज़ारों से खरीदे कपड़े थे।	→	मिहिर
केवल स्कूल में बिताए समय वह बच्चा बना रह सकता था।	→	मोरपाल
शादी में भी नीली–खाकी यूनीफ़ॉर्म पहनकर आता।	→	मोरपाल
स्कूल यूनीफ़ॉर्म बोझ थी।	→	मिहिर

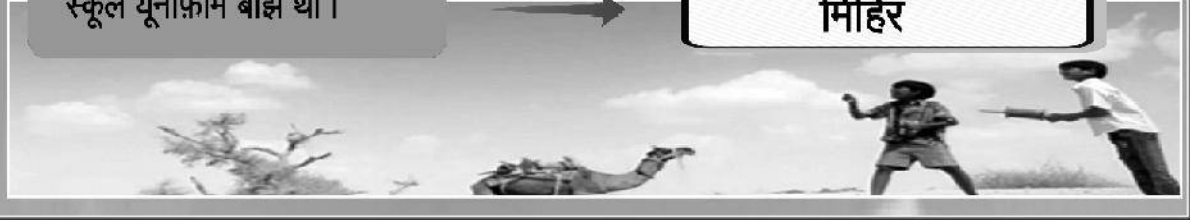

2

मोरपाल की विशेषताएँ चुनकर लिखिए ।

* आलसी लडका
* पढने में उत्सुक
* मेहनती लडका
* बुरा दोस्त

* पढ़ने में उत्सुक .....

* मेहनती लड़का .....

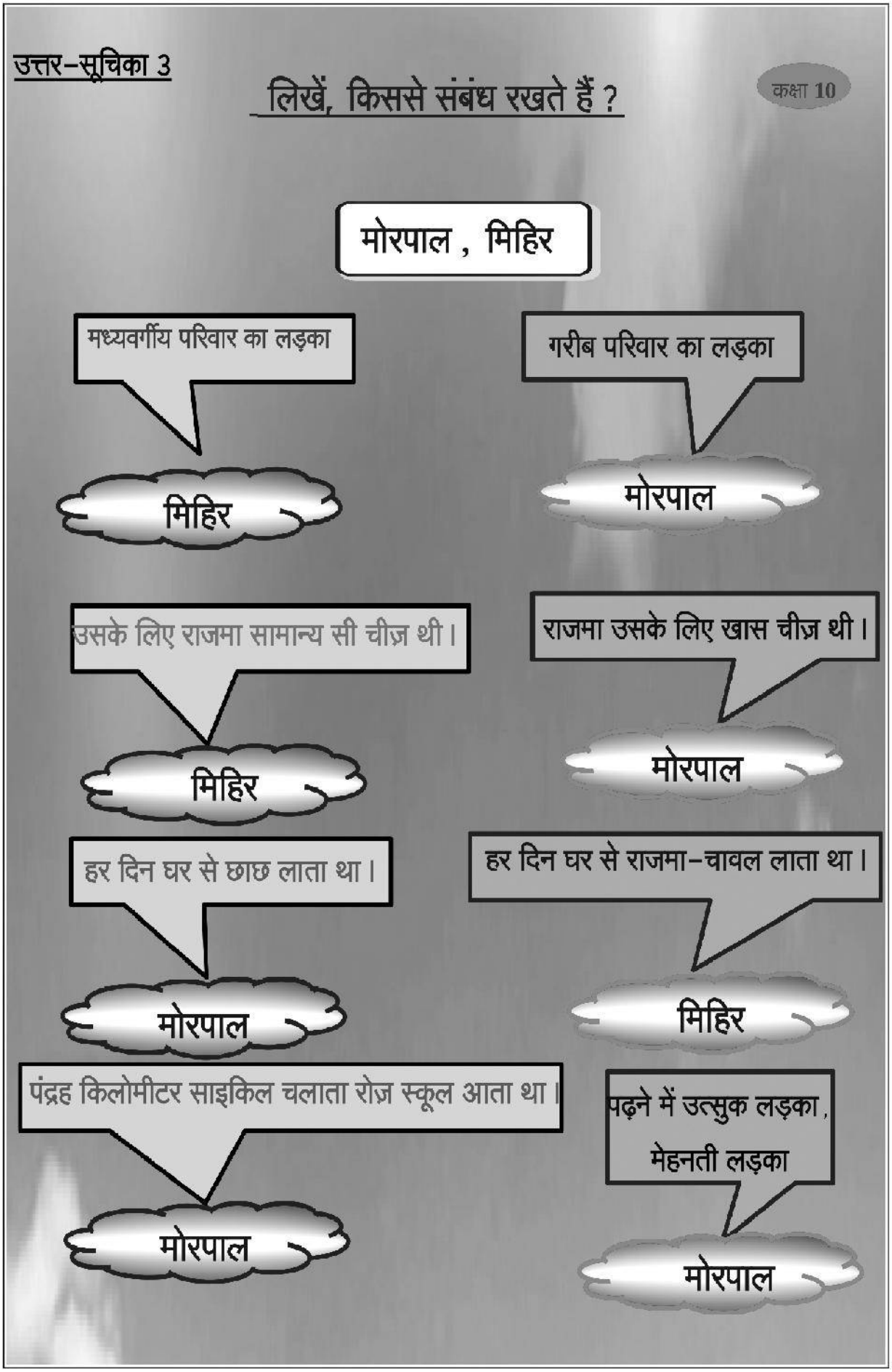
उत्तर–सूचिका 3
लिखें, किससे संबंध रखते हैं ?
कक्षा 10
मोरपाल , मिहिर
मध्यवर्गीय परिवार का लड़का
मिहिर
गरीब परिवार का लड़का
मोरपाल
उसके लिए राजमा सामान्य सी चीज़ थी।
मिहिर
राजमा उसके लिए खास चीज़ थी।
मोरपाल
हर दिन घर से छाछ लाता था।
मोरपाल
हर दिन घर से राजमा–चावल लाता था।
मिहिर
पंद्रह किलोमीटर साइकिल चलाता रोज़ स्कूल आता था।
मोरपाल
पढ़ने में उत्सुक लड़का, मेहनती लड़का
मोरपाल

4
सही मिलान करें :

क	ख
मोरपाल	लेखक घर में खुशी से नाचता था ।
रविवार की छुट्टी	रोज़ स्कूल जाना चाहता था ।
शादी में भी मोरपाल	मिहिर को पसंद नहीं था ।
रोज़ स्कूल जाना	मोरपाल की बाँछें खिल जाती थीं ।
राजमा देखते ही	स्कूल यूणिफार्म पहनकर आता था ।

क	ख
मोरपाल	रोज़ स्कूल जाना चाहता था ।
रविवार की छुट्टी	लेखक घर में खुशी से नाचता था ।
शादी में भी मोरपाल	स्कूल यूणिफ़ार्म पहनकर आता था।
रोज़ स्कूल जाना	मिहिर को पसंद नही ।
राजमा देखते ही	मोरपाल की बाँछें खिल जाती।

5

सही मिलान करें :

क	ख
कलाम	राष्ट्रपति कलाम सा बनना चाहता है ।
	घुड़सवारी जानता है ।
रणविजय	स्कूल जाना कतई पसंद नहीं करता ।
	अंग्रेज़ी जानता है ।
	सपना साकार होकर स्कूल जाता है ।

कलाम	* राष्ट्रपति कलाम सा बनना चाहता है। * सपना साकार होकर स्कूल जाता है।
रणविजय	* घुड़सवारी जानता है। * स्कूल जाना कतई पसंद नहीं था। * अंग्रेज़ी जानता है।

उत्तर–सूचिका 6

कक्षा 10

मिहिर और मोरपाल स्कूली दोस्त थे। सूचनाओं की सहायता से उनकी दोस्ती पर एक टिप्पणी तैयार करें

दोनों बहुत प्यार करते थे और पढ़ाई में एक दूसरे की सहायता भी करते थे।

क्लास में दोनों की बैठने की जगहें साथ थीं।

खेल घंटी में दोनों खाना अदला-बदली करके खाते थे।

मोरपाल और मिहिर गाँव के स्कूल में एक साथ पढ़ते थे।

मोरपाल छाछ मिहिर को देता था और मिहिर राजमा-चावल मोरपाल को देता था।

मोरपाल और मिहिर की दोस्ती

मोरपाल और मिहिर गाँव के स्कूल में एक साथ पढ़ते थे।

क्लास में दोनों की बैठने की जगहें साथ थीं।

खेल घंटी में दोनों खाना अदला-बदली करके खाते थे।

मोरपाल छाछ मिहिर को देता था और मिहिर राजमा-चावल मोरपाल को देता था।

दोनों बहुत प्यार करते थे और पढ़ाई में एक दूसरे की सहायता भी करते थे।

उत्तर–सूचिका 7

कक्षा 10

सूचनाओं की सहायता से कलाम और रणविजय की दोस्ती पर एक टिप्पणी तैयार करें

छोटू उर्फ कलाम गरीब लड़का था तो राणा का बेटा रणविजय अमीर घर का लड़का ।

कलाम की सहायता से रण विजय को हिंदी भाषण में प्रथम स्थान भी मिल जाता है ।

रणविजय कलाम को अंग्रेज़ी सीखने में मदद करता है तो कलाम रणविजय को हिंदी सीखने में ।

दोस्त को बचाने के लिए कलाम चोरी का आरोप भी सह लेता है। इस प्रकार कलाम अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोड़ता है ।

दोनों के बीच दोस्ती हो जाती है और वे एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं ।

कलाम और रणविजय की दोस्ती

छोटू उर्फ कलाम गरीब लड़का था तो राणा का बेटा रणविजय अमीर घर का लड़का । दोनों के बीच दोस्ती हो जाती है और वे एक दूसरे से बहुत प्यार करते हैं । रणविजय कलाम को अंग्रेज़ी सीखने में मदद करता है तो कलाम रणविजय को हिंदी सीखने में । कलाम की सहायता से रणविजय को हिंदी भाषण में प्रथम स्थान भी मिल जाता है । दोस्त को बचाने के लिए कलाम चोरी का आरोप भी सह लेता है। इस प्रकार कलाम अपनी दोस्ती का प्रण नहीं तोड़ता है ।

8

मिहिर : अरे मोरपाल खाने की घंटी बजी है।
चलो न..
मोरपाल : आता हूँ दोस्त।

मिहिर : टिफिन लाया ?

मोरपालः हाँ छाछ लाया। तेरे टिफिन में क्या है ?

मिहिर : राजमा और चावल

मोरपालः अरे वाह! बढ़िया ! मैंने तो आज तक राजमा खाया नहीं।

मिहिर : सच ? तो तुम मेरा टिफिन खा लो।

मोरपालः बहुत अच्छा । छाछ खाओगे ?
हाँ यार... मुझे तो छाछ बहुत पसंद है।

मोरपालः तो कल से मैं रोज़ तेरे लिए छाछ लाऊंगा।
क्या तुम मेरे लिए राजमा चावल लाओगे?

मिहिर : ज़रूर।

9

कलाम : क्या हुआ दोस्त ? परेशान क्यों हो?

रणविजय : कल स्कूल में हिंदी भाषण देने को कहा है

कलाम : तो?

रणविजय : आप जानते हैं न हमारी हिंदी अच्छी नहीं है।

कलाम : अरे छोड़ो यार .... मैं हूँ न?
मैं तेरे को भाषण लिख दूँगा।

रणविजय : आप? आप कैसे लिखेंगे?

कलाम : तुम्हें अपने दोस्त पर भरोसा है न?
मैं लिख लूँगा... पक्का।

रणविजय : पर दोस्त..... हमें कल तक भाषण चाहिए।

कलाम : चिंता मत करो। रात को लिखकर सुबह दे दूँगा।

उत्तर-सूचिका 10

कक्षा 10

मिहिर और मोरपाल के बीच खेल घंटी में खाने की अदला-बदली का निश्चय हुआ। इस प्रसंग को लेकर मिहिर अपने मित्र के नाम पत्र लिखता है। नीचे दिए वाक्यों की सहायता से वह पत्र लिखें

POSTCARD

स्थान.....

तारीख.....

प्रिय मित्र,.....

तुम कैसे हो ? मैं ठीक हूँ।.....

माँ–बाप सब कुशल हैं न ? एक खास बात बताने के लिए यह पत्र लिख रहा हूँ।

तुम्हें याद है न मेरे एक दोस्त मोरपाल को।

वह मेरा प्रिय दोस्त है। दरीपट्टी में भी हम एक साथ बैठते हैं। वह हर दिन छाछ लाता है, जो मुझे बहुत पसंद है और मैं राजमा–चावल, जो उसे बहुत पसंद है। आज हमारा सौदा हुआ – खाने की अदला–बदली का। इस प्रकार हम दोनों को अपने पसंद का खाना आसानी से मिलता ही रहता है।.....

क्या तुम्हारे स्कूल में इस प्रकार का कोई लेन -देन है ? नहीं तो कल से शुरू कर दो यार।

तुम्हारे माँ–बाप से मेरा प्रणाम कहना।

कभी–कभी लिखा करो यार।.....

तुम्हारा मित्र

हस्ताक्षर

मिहिर

सेवा में

नाम,

पता

11. फ़िल्म के अंत में कलाम का सपना साकार हो जाता है ।उस दिन के कलाम की डायरी संकेतों के आधार पर तैयार करें ।

कलाम की डायरी :

21/11/2020

आज मैं बहुत खुश हूँ। मेरा सपना अब साकार हो गया। कितने दिन से मैं यह सोचा था कि दूसरे बच्चों के समान स्कूल जाऊँ। उसका मौका अभी ही मिला। भाटीसा की दूकान की सारी बातें मन में है।टीवी में देखे लंबे बालोंवाले राष्ट्रपति कलाम को देखते ही उनके जैसा होना मैं चाहता था।पहले मेरा नाम छोटू था।लेकिन मैं सिर्फ़ छोटू होकर जीना नहीं चाहता।इसलिए खुद ही नाम कलाम रखा। रणविजय की पहली मुलाकात के समय हम दोनों के बीच घुड़सवारी सीखने और पेड़ पर चढ़ना सिखाने के लेन–देन को लेकर दोस्ती हो गई।पढ़ने में तेज़ होने से विदेशी टूरिस्ट की बोली झट से सीख लिया। उन्होंने वादा किया कि वे मुझे अपने साथ लेकर जाएँगी । अब में दिल्ली पहँच सका। रास्ते में कितनी मुश्किलें थीं। मेरे मन में एक ही लक्ष्य था कि किसी भी तरह डॉ कलाम से मिलूँ।अब मेरा सपना साकार हो गया।

संकेत :

*** चाय की दुकान का काम**

*** नाम कलाम रखा**

*** रणविजय से अपनी दोस्ती**

*** लूसी मैडम का वादा**

*** अपने लक्ष्य की पूर्ति**

उत्तर–सूचिका 12

कक्षा 10

वाक्य पिरमिड की पूर्ति करें

अदला-बदली करके
खेल घंटी में

दोनों खाते थे।

दोनों खाना खाते थे।

दोनों खाना अदला–बदली करके खाते थे।

खेल घंटी में दोनों खाना अदला–बदली करके खाते थे।

रोज़
किसी गाँव से

वह स्कूल आता था।

वह साइकिल चलाता स्कूल आता था।

वह साइकिल चलाता रोज़ स्कूल आता था।

किसी गाँव से वह साइकिल चलाता रोज़ स्कूल आता था।

कक्षा 10

13

"सबसे बड़ा शो मैन" पाठ के आधार पर घटनाओं को क्रमबद्ध करें

- चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया।
- लोग चिल्लाने लगे।
- गाते–गाते अचानक माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई।
- जब तक मैनेजर ने वह पोटली माँ के हवाले नहीं की, वह नहीं लौटा।
- चार्ली को लगा कि मैनेजर खुद पैसे रख लेना चाहता है।
- स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई।
- मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा।

- गाते–गाते अचानक माँ की आवाज़ फटकर फुसफुसाहट में तब्दील हो गई।
- लोग चिल्लाने लगे।
- मैनेजर चार्ली को स्टेज पर भेजने की ज़िद करने लगा।
- चार्ली ने मशहूर गीत जैक जोन्स गाना शुरू किया।
- स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गई।
- चार्ली को लगा कि मैनेजर खुद पैसे रख लेना चाहता है।
- जब तक मैनेजर ने वह पोटली माँ के हवाले नहीं की, वह नहीं लौटा।

14

सही मिलान करें :

क	ख
माँ गीत गा न सकी ।	इसलिए उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद की ।
मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था ।	इसलिए माँ चार्ली को स्टेज पर भेजने से डर गयी ।
सामने उग्र भीड़ थी ।	इसलिए लोग चिल्लाने लगे ।

क	ख
माँ गीत गा न सकी।	इसलिए लोग चिल्लाने लगे।
मैनेजर ने चार्ली का अभिनय देखा था।	इसलिए उसे स्टेज पर भेजने की ज़िद की।
सामने उग्र भीड़ थी।	इसलिए माँ चार्ली को स्टेज पर भेजने से डर गयी।

15

सही मिलान करें :

क	ख
तब्दील हो जाना	वाद- विवाद होना ।
बहस होना	पैसों की वर्षा होने लगी ।
पैसों की बौछार शुरु होने लगी	बदल जाना ।

क	ख
तब्दील हो जाना	बदल जाना
बहस होना	वाद–विवाद होना
पैसों की बौछार शुरू होने लगी	पैसों की वर्षा होने लगी

16

सबसे बड़ा शो मैन

कक्षा 10

जीवनी

गीत चतुर्वेदी

सूचनाओं की सहायता से चार्ली की माँ और मैनेजर के बीच का संभावित वार्तालाप तैयार करें

दोस्तों के सामने अभिनय करते देखा है।
चार्ली को स्टेज पर भेजो। वह संभाल लेगा।
एक बार फिर कोशिश करके देख लो।
पाँच साल का बच्चा इस उग्र भीड़ को कैसे झेल पाएगा ?
उसे जाना ही होगा।

17

कक्षा 10

'दुनिया के सबसे बड़े शो मैन का यह पहला शो था।' सूचनाओं की सहायता से इस घटना पर एक रपट तैयार करें

सूचनाएँ

लोग शोर मचाने लगे तो मैनेजर की ज़िद पर माँ के बदले चार्ली स्टेज पर आया।

अचानक उसकी आवाज़ फुसफुसाहट में तब्दील हो गई।

चार्ली के इस व्यवहार ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।

अपने सहज भोलेपन से उसने गाना गाया, दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और गायकों की नकल उतारी।

* उसकी माँ हन्नाह चैप्लिन स्टेज पर गा रही थी।

* हन्नाह चैप्लिन = चार्ली चैप्लिन की माँ

पाँच साल के बच्चे ने कमाल कर दिया

लंदन :–आज शहर के आल्डरषोट कैन्टीन हॉल में पाँच साल के चार्ली चैप्लिन नामक बच्चे ने कमाल कर दिया।

उसकी माँ हन्नाह चैप्लिन स्टेज पर गा रही थी। अचानक उसकी आवाज़ फुसफुसाहट में तब्दील हो गई।

लोग शोर मचाने लगे तो मैनेजर की ज़िद पर माँ के

बदले चार्ली स्टेज पर आया।

अपने सहज भोलेपन से उसने गाना गाया, दर्शकों से बातचीत की, नृत्य किया और गायकों की नकल उतारी। चार्ली के इस व्यवहार ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया।

इसमें कोई संदेह नहीं कि यह बच्चा बड़ा होकर विश्व भर में बहुत नाम कमाएगा।

★ ★ ★

19

गाना अभी आधा ही हुआ था कि स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू हो गयी ।चार्ली ने गाना रोक दिया और घोषणा की कि पहले मैं पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा । इस बात ने हॉल को हँसीघर में तब्दील कर दिया ।

* इस घटना के बारें में चार्ली की माँ अपनी सहेली के नाम पर पत्र लिख रही है ।वह पत्र तैयार करें :

स्थान : .....
तारीख : .....

प्रिय मेबल ,

तुम कैसी हो ? मैं एक खास बात बताने के लिए यह पत्र लिख रही हूँ। मैं स्टेज पर गाना गा रही थी। अचानक मेरी आवाज़ फ़टकर फ़ुसफ़ुसाहट में तब्दील हो गयी। लोग चिल्लाने लगे। मज़बूर होकर मुझे स्टेज से हटना पड़ा। मैनेजर ने ज़िद करके चार्ली को स्टेज पर भेज दिया। चार्ली गाने लगा। गाना आधा ही हुआ था कि लोग स्टेज पर पैसे फ़ेंकने लगे।चार्ली ने गाना रोक दिया और घोषणा की कि पहले मैं पैसे बटोरूँगा और उसके बाद ही गाऊँगा। इस बात ने हाल को हँसीघर में तब्दील कर दिया। आज लोगों ने मेरे बेटे की बहुत तारीफ़ की। इसलिए मैं बहुत खुश हूँ।

तुम्हारी सहेली ,
हस्ताक्षर
(नाम)

सेवा में
नाम
पता ।

****

20

कक्षा 10

कल्पना करें कि आपके स्कूल में चार्ली चैप्लिन के फिल्मों का प्रदर्शन आयोजित है। सूचनाओं की सहायता से उसके लिए एक पोस्टर तैयार करें

अपने स्कूल का नाम..... स्कूल

तिरुवनंतपुरम

चार्ली चैप्लिन फिल्म-फेस्टिवल

स्कूल हॉल में.....

समय : सुबह 10 बजे

दिनांक.....	फिल्म
12/11/2020	मॉडर्न टाइम्स
13/11/2020	दि ग्रेट डिक्टेटर
14/11/2020	दि किड़
15/11/2020	दि सर्कस
16/11/2020	सिटी लाइट्स

प्रवेश नि:शुल्क

सबका स्वागत.....

सूचनाएँ

स्कूल हॉल में

सुबह 10 बजे

सबका स्वागत

दिनांक

अपने स्कूल का नाम

21

कक्षा 10

वाक्य-पिरमिड़ की पूर्ति करें

अपने साथ अक्सर

चार्ली को ले जाती थी।

चार्ली को थिएटर ले जाती थी।

चार्ली को अपने साथ थिएटर ले जाती थी।

चार्ली को अक्सर अपने साथ थिएटर ले जाती थी।

स्टेज पर अंतत:

वह ले गया।

वह चार्ली को ले गया।

वह चार्ली को स्टेज पर ले गया।

वह अंतत: चार्ली को स्टेज पर ले गया।

कक्षा 10

कार्य-पत्रिका 9

22

नमूने के अनुसार वाक्य की पूर्ति करें

लड़का खेलने लगा
लड़के खेलने लगे
लड़की खेलने लगी
लड़कियाँ खेलने लगीं

मैनेजर ज़िद करने लगा ।	(करने लगा / करनी लगी)
लोग चिल्लाने लगे ।	(चिल्लाने लगी / चिल्लाने लगे)
लोग म्याऊं–म्याऊं की आवाज़ निकालने लगे।	(निकालने लगी /निकालने लगे)
माँ की आवाज़ फुसफुसाहट में तब्दील होने लगी।	(होने लगी/ होनी लगी)
स्टेज पर पैसों की बौछार शुरू होने लगी।	(होनी लगी/होने लगी)
मैनेजर पैसा बटोरने लगा।	(बटोरने लगा /बटोरने लगी)
चार्ली गाना गाने लगा।	(गाने लगा / गाने लगे)
दर्शक तालियाँ बजाने लगे।	(बजाने लगा /बजाने लगे)
चार्ली नाचने लगा।	(नाचने लगा/ नाचने लगी)
औरतें गाने लगीं ।	(गाने लगा/ गाने लगीं)

एक आवारा, एक सज्जन, एक कवि,
एक सपने देखने वाला,
एक अकेला आदमी, हमेशा रोमांस और
रोमांच की उम्मीद करते हैं!
चार्ली चैपलिन

23

नमूने के अनुसार वाक्य बदलकर लिखें :

लोग चिल्लाते हैं ।	लोग चिल्लाने लगे ।
माँ गाती है ।	माँ गाने लगी।
चार्ली गाता है ।	चार्ली गाने लगा।
औरतें गाती हैं ।	औरतें गाने लगीं।

कोष्ठक से उचित क्रिया रूप चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति करें :

1. लडका पाठ लिखेगा । (लिखेगी , लिखेगा)
2. लडके पाठ पढ़ेंगे । (पढेंगे , पढेगा)
3. लडकियाँ साईकिल चलाएँगी । (चलाएँगे , चलाएँगी)
4. लडकी गीत गाएगी । (गाएगा , गाएगी)

24

इकाई – 3

(I)

1) कई दिनों तक चूल्हा रोया, चक्की रही उदास।
2) अकाल का
3) छिपकली

4. सही मिलान करें

कुतिया	सोई
चूल्हा	रोया
छिपकली	गश्त
चक्की	उदास रही

(II)

25

कक्षा 10

सूचनाओं की सहायता से ' अकाल और उसके बाद ' कविता में वर्णित 'अकाल 'पर एक टिप्पणी तैयार करें।

अकाल

श्री. नागार्जुन की एक छोटी सी कविता है ,' अकाल और उसके बाद 'l कविता के दो भाग हैं। पहले भाग में अकाल का और दूसरे भाग में अकाल के बाद का वर्णन है l कवि कहते हैं कि अनाज के अभाव में अनुपयोगी लगने से चूल्हा और चक्की उदास दिखाई पड़ते हैं। खाने की प्रतीक्षा में चूल्हे और चक्की के पास कानी कुतिया सो जाती है। छिपकलियाँ भी खाने की तलाश में दीवारों पर इधर–उधर घूमती रहती हैं। चूहों की हालत भी अनाज के बिना अत्यंत दयनीय है।

26

(i) बदबू
(ii) सख्त
(iii) लोटा नाक से लगाया , तो सचमुच दुर्गंध था।
(iv) दुर्गंध के कारण पीना मुश्किल है।
(v) बहुत प्यास हो रहा है।
(vi) तू दुर्गंधपूर्ण पानी पीने दे रही है।

27

मुँह सीधा न होना	प्रसन्नता का भाव न होना
पानी की खराबी जाती रहती है	पानी शुद्ध हो जाती है।
कंधा देना	सहायता करना
एक से एक छंटे	सबसे बुरा
मौके का इंतज़ार करना	अवसर की प्रतीक्षा करना

28

कुप्पी की घुँधली रोशनी	कुएँ पर आ रही थी।
गंगी जगत की आड़ में बैठी	मौके का इंतज़ार करने लगी।
गंगी का विद्रोही दिल	रिवाज़ी पाबंदियों पर चोटें करने लगा।
ठाकुर ने	गड़रिए की भेड़ चुरा ली थी।

29

* गंगी जगत से कूदकर भागने लगी।

*जोखू गंदा पानी पीने लगता है ।

* पानी की खराबी जाती रहती है।

30

जोखू - यह कैसा पानी है ? पी नहीं सकता।
गंगी - क्यों पी नहीं सकता?
जोखू - इस पानी में बदबू है।
गंगी - बदबू !वह पानी कल ही लाई थी ।
जोखू -तो इसमें बदबू कैसी? तू सड़ा पानी पिलाये देती है !
गंगी - .कल पानी में बू बिलकुल न थी।
जोखू - फिर अब तो बदबू है।
गंगी -..ज़रूर कोई जानवर कु एँ में गिरकर मर गया होगा ।

कक्षा 10

31 ' ठाकुर का कुआँ ' कहानी का अंश पढ़कर नीचे दिए गए वाक्यों की सहायता से गंगी की डायरी की पूर्ति करें।

ठाकुर 'कौन है, कौन है?' पुकारते हुए कुएँ की तरफ़ आ रहे थे और गंगी जगत से कूदकर भागी जा रही थी।

घर पहुँचकर देखा कि जोखू लोटा मुँह से लगाए वही मैला-गंदा पानी पी रहा है।

बीमार जोखू तो बहुत प्यासा था।

घड़े को पकड़कर जगत पर रखने को झुकी कि ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया।

इतनी डर गई थी कि रस्सी हाथ से छूट गई।

पर घर पहुँची तो जोखू वही गंदा पानी पी रहा था।

अपने बीमार पति को मैं शुद्ध पानी तक नहीं पिला सकी।

तारीख

उफ़ ! आज कितना बुरा दिन था ! हम कितने अभागे हैं ? पीने का पानी तक नहीं मिलता। बीमार जोखू तो बहुत प्यासा था। उसकी प्यास बुझाने के लिए मैं ठाकुर के कुएँ पर गई थी। फिर क्या था ? सोच भी न सकती। घड़े को पकड़कर जगत पर रखने को झुकी कि ठाकुर का दरवाज़ा खुल गया। मैं क्या करती ? इतनी डर गई थी कि रस्सी हाथ से छूट गई। मैं तो जान लेकर वहाँ से कूदकर भाग निकली वरना क्या होता ? पकड़ी गयी होती तो समझो बस हो गयी बात ! पर घर पहुँची तो जोखू वही गंदा पानी पी रहा था।

अपनी विवशता पर मुझे शर्म आती है। छी ! कैसी व्यवस्था है ? अपने बीमार पति को मैं शुद्ध पानी तक नहीं पिला सकी। कब मिटेगी ये पाबंदियाँ ? ये मजबूरियाँ ?

32

कक्षा 10

'ठाकुर का कुआँ ' कहानी का अंश पढ़कर नीचे दिए वाक्यों की सहायता से पटकथा की पूर्ति करें

गंगो ने पानी न दिया। खराब पानी से बीमारी बढ़ जाएगी इतना जानती थी, परंतु यह न जानती थी कि पानी को उबाल देने से उसकी खराबी जाती रहती है। बोली- "यह पानी कैसे पिओगे? न जाने कौन जानवर मरा है। कुएँ से मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ।"

जोखू ने आश्चर्य से उसकी ओर देखा- "पानी कहाँ से लाएगी?"

"ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं। क्या एक लोटा पानी न भरने देंगे?"

"हाथ-पाँव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से।

गंगी का घर

गंगी और जोखू गरीब परिवार के पति–पत्नी हैं , मज़दूर हैं।

पानी पीने लगता है।

हाथ-पाँव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से।

पानी कहाँ से लाएगी ?

क्या, एक लोटा पानी न भरने देंगे ?

ज़रूर कोई जानवर कुएँ में गिरकर मरा होगा। मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ।

स्थान : गंगी का घर

समय : दिवा का समय।

पात्र : गंगी और जोखू गरीब परिवार के पति–पत्नी हैं , मज़दूर हैं।

गंगी साड़ी पहनी है।जोखू बनियन और धोती पहना है।

दृश्य : घर में कुछ घरेलू सामान और बर्तन रखे हैं।जोखू बीमार है। वह प्यास से परेशान है। उसके हाथ में पानी भरा लोटा है।

(जोखू .पानी पीने लगता है।..)

जोखू :(लोटा मुँह से लगाते हुए) अरे पानी में बदबू ! यह कैसा पानी है ?

गंगी : (लोटा नाक से लगाकर) अरे हाँ, सचमुच बदबू है। ज़रूर कोई जानवर कुएँ में गिरकर मरा होगा। मैं दूसरा पानी लाए देती हूँ।

जोखू :(आश्चर्य से) पानी कहाँ से लाएगी ?

गंगी :(आत्मविश्वास से) ठाकुर और साहू के दो कुएँ तो हैं। क्या, एक लोटा पानी न भरने देंगे ?

जोखू :(गुस्से से) हाथ-पाँव तुड़वा आएगी और कुछ न होगा। बैठ चुपके से।

गंगी :डरने से पानी कैसे पिओगे ?

(गंगी घड़ा लेकर बाहर जाती है।)

कक्षा 10

33

कोष्ठक से उचित शब्द चुनकर ' ठाकुर का कुआँ ' नामक पाठ पर आधारित पोस्टर की पूर्ति करें ।

मानव जन्म से नहीं कर्म से महान _____ बनता है।

जाति-धर्म का भेद मिटाओ
मिलकर अपना देश बचाओ

सभी धर्मों का संदेश एक ही है।

जातीय असमानता संविधान _____ के खिलाफ है।

अस्पृश्यता _____ के नाम पर लोगों को अलग करना मानवाधिकारों का उल्लंघन है।

(अस्पृश्यता, महान , संविधान)

34

नमूने के अनुसार लिखें।

रोशनी आ रही थी। प्रकाश आ रहा था।
गंगी जा रही थी। **जोखू जा रहा था।**

नीचे दी गयी सूचनाओं की सहायता से जोखू के चरित्र की विशेषताओं पर लघु लेख लिखें।

* बीमारी से परेशान
* अत्याचारों के खिलाफ लड़ने में असमर्थ
*सामाजिक असमतायें सहनेवाला
**जातीय असमानताओं का शिकार
* पत्नी से प्यार करनेवाला

जोखू का चरित्र चित्रण

प्रेमचंद की कहानी ' ठाकुर का कुआँ ' का एक प्रमुख पात्र है जोखू। वह एक गरीब आदमी है। मज़दूर होने के कारण उसे कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वह ठाकुर और साहूकार से डरता है। कहानी के आरंभ में जोखू बीमारी से परेशान है। वह पानी पीना चाहता है। लेकिन उस पानी से सख्त बदबू आती है। जब गंगी ताज़ा पानी भर लाने की बात करती है तब जोखू उसे मना करता है। वह अपनी पत्नी से बहुत प्यार करता है।वह जानता है कि यह असंभव है कि गंगी ठाकुर या साहू के कुएँ पर चढ़कर पानी नहीं ले आ सकती है।उसे यहाँ के सामाजिक असमानता की जानकारी है। इसलिए जोखू गूंगी को दूसरा पानी लेने के लिए जाने नहीं देता। समाज में गरीब लोग सभी प्रकार के शोषण के शिकार है। चाहे ब्राह्मण हो, ठाकुर हो, साहूकार हो, सब गरीबों को लुटा रहे हैं। गरीबों के दुःख–दर्द को समझनेवाले कोई नहीं है।कोई सहायता देने वाले भी नहीं है।ये सब जोखू के शब्दों में स्पष्ट हैं।इस छुआछूत के कारण अंत में जोखू को मेला–गंदा पानी पीना पड़ता है।

35

जाति प्रथा अभिशाप है विषय पर लघु – लेख लिखें।

* जातीय असमानता * जाति के नाम अत्याचार

* समानता का अधिकार * आदमी कर्म से महान

जाति प्रथा एक अभिशाप है।

वास्तव में जाति प्रथा एक अभिशाप है। जाति प्रथा समाज की एक विकट समस्या है। जाति प्रथा का सबसे बड़ा दोष छुआछूत की भावना है । शादी के नाम पर कामगार को कई प्रकार की यातनाएँ सहनी पड़ती है । लोगों का जन्म के आधार पर विभाजन करने से समाज में असमानता एकाधिकार विद्वेष आदि दोष उत्पन्न हो जाते हैं। हमारे देश के संविधान ने सभी को समानता का अधिकार निश्चित किया है। फिर भी, सभी को आज भी हमारे देश में समानता का अधिकार प्राप्त नहीं है वास्तव में आदमी जन्म से नहीं नहीं कर्म से महान बनता है ।